राज्य कोटे के अतिरिक्त 28 मेट्रिक टन ऑक्सीजन लेकर टैंकर पहुंचा कोटा

कोटा। कोविड के कारण ऑक्सीजन की कमी के बीच गुरूवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयास कोटा समेत समूची हाड़ौती के लिए बड़ी राहत लेकर आए। बिरला की कोशिशों के चलते राजस्थान को आवंटित कोटे के अतिरिक्त 28 मेट्रिक टन ऑक्सीजन और मिली। यह ऑक्सीजन लेकर जामनगर से टैंकर गुरूवार शाम कोटा पहुंचा। वहीं बिरला के ही प्रयासों से राजस्थान की पहली ऑक्सीजन स्पेशल ट्रेन भी 40 मेट्रिक टन ऑक्सीजन लेकर गुरूवार दोपहर जामनगर से कोटा के लिए रवाना हो गई। इसके शुक्रवार सुबह कोटा पहुंचने की संभावना है।

कोटा ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक के संस्थापक सदस्य दीपक राजवंशी ने बताया कि ऑक्सीजन की कमी का कोटा संभाग के सभी अस्पताल सामना कर रहे हैं। हालात यह हैं कि ऑक्सीजन नहीं होने के कारण बेड होने पर भी अस्पताल प्रशासन को मरीजों को भर्ती करने से इनकार करना पड़ रहा है। लोकसभा अध्यक्ष बिरला इन हालात से काफी चिंतित थे तथा ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए लगातार प्रयासरत थे।

बिरला ने इस संबंध में जामनगर रिफाइनरी के उच्च पदस्थ अधिकारियों से भी लगातार चर्चा की जिसका लाभ यह मिला कि एक ओर कोटा और बूंदी के अस्पतालों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए राज्य को आवंटित कोटे के अतिरिक्त 28 मेट्रिक टन ऑक्सीजन से भरा एक टैंक गुरूवार शाम कोटा पहुंचा, वहीं दूसरी ओर कोटा संभाग की आवश्यकता को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन स्पेशल ट्रेन कुल 40 मेट्रिक टन क्षमता वाले तीन टैंकर लेकर गुरूवार दोपहर कोटा के लिए रवाना हो गई।

कोटा पहुंचे टैंकर को न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थित टैंक में खाली किया गया है। इसके बाद अस्पताल में ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता हो गई है। इसे देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि अब किसी भी मरीज को भर्ती करने से इनकार नहीं किया जाए। वेंटीलेटर, आईसीयू और ऑक्सीजन बेड्स पर मरीजों को भर्ती कर उनको समुचित उपचार मुहैया कराया जाए। जिन रोगियों को ऑक्सीजन की आवश्यकता है, उन्हें ऑक्सीजन उपलब्ध करवाया जाए।

वहीं, शुक्रवार सुबह कोटा पहुंच रही ट्रेन में आ रहे 40 मेट्रिक टन ऑक्सीजन से संभाग के अन्य अस्पतालों की ऑक्सीजन की मांग पूरी हो सकेगी। टैंकर और ट्रेन के कोटा पहुंचने से कोटा संभाग में

कुल 68 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे क्षेत्र के सभी अस्पतालों और ग्रामीण स्तर में सीएचसी तक भी ऑक्सीजन मिल सकेगा।

जामनगर से गुरूवार शाम कोटा पहुंचे ऑक्सीजन टैंकर से बूंदी जिले के सभी अस्पतालों के सिलैंडर भी रिफिल किए जाएंगे। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं। जिला कलक्टर आशीष गुप्ता के अनुसार सभी ऑक्सीजन सिलेंडर भरने के बाद कोविड रोगियों के उपचार में सहायता मिलेगी। वहीं अतिरिक्त मरीजों को भर्ती कर उनका उपचार कर पाना भी संभव हो सकेगा।